A-0406

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

MAJY-607

ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार–02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. सर्वार्थचिन्तामणि ग्रन्थ के अनुसार चन्द्र दशाफल विचार का लेखन कीजिये।

Q.2. पठित ग्रन्थानुसार सूर्य–चन्द्र–भौमान्तर्दशा फल विचार का वर्णन करें।

Q.3. सूक्ष्म दशा से क्या तात्पर्य है? सूर्यादि ग्रहों का प्रत्यन्तर में सूक्ष्म दशा फल का प्रतिपादन कीजिये।

Q.4. पंचमहाभूत का परिचय देते हुए फल विचार का विस्तृत वर्णन कीजिये।

Q.5. शकुन को परिभाषित करते हुए उसके भेद का निरूपण कीजिये।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. वृहत्पराशरहोराशास्त्र के अनुसार प्रत्यन्तर्दशा फल का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

Q.2. प्राणदशा का प्रतिपादन कीजिये।

Q.3. पंचमहापुरूष से आप क्या समझते है?

Q.4. सत्वादि गुण फल का परिचय दीजिये।

P.T.O.

Q.5. शकुन किसे कहते है?

Q.6. जीवों द्वारा शकुन फल का विचार कैसे किया जाता है?

Q.7. गुरू महादशाफल का लेखन कीजिये।

Q.8. शुक्र में सूर्यादिग्रहों का दशा फल का संक्षिप्त वर्णन करें।

****